जश्ने–तालीम, MLAC एकलव्य, होशंगाबाद

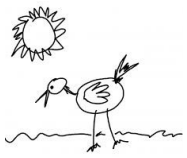

कक्षा पॉचवी के लिए हिन्दी भाषा – लिखित– (सितंबर 2020)

1. मेरा नाम ---------- कक्षा ----------

पिता का नाम ---------- माता का नाम ----------

शाला का नाम---------- आज की तारीख ----------

नोट – बच्चों को लिखित पर्चे में सभी सवालों के निर्देश पढ़कर सुनाए जाए।

प्रश्न -2) इन चित्रों को शामिल कर एक कहानी लिखो।

		इस कहानी का नाम लिखो – ----------

प्रश्न 3 - कहानी को पढ़कर छूटे शब्दों और सवालों के उत्तर लिखो।

एक बार भोलू अपने बहुत पुराने दोस्त गोलू से मिले। अपने पुराने दोस्त से मिलकर वे बड़े खुश हुए। कुछ देर गपशप करने के बाद उन्होंने कहा, ''चलो दोस्त, मोहल्ले में घूम आएँ।''

गोलू ने जाने से मना कर ---------- और कहा, ''अपनी इस मामूली सी ---------- में मैं लोगों से नहीं मिल ----------।''

भोलू तुरंत उनके लिए अपना एक ---------- कुर्ता निकाल कर लाया और कहा, '' ---------- पहन लो। इसमें तुम खूब अच्छे ----------। सब देखते रह जाएँगे।''

बनठन कर ---------- घूमने निकले। दोस्त को लेकर भोलू ---------- के घर गए। भोलू ने पड़ोसी ---------- कहा, ''ये हैं मेरे खास दोस्त, ---------- साहब। आज कई सालों बाद इनसे मुलाकात हुई है। वैसे जो कुर्ता इन्होंने पहन रखा है, वह मेरा है।''

यह सुनकर गोलू पर तो मानो घड़ों पानी पड़ गया। बाहर निकलते ही मुँह बनाकर उन्होंने भोलू से कहा, ''तुम्हारी कैसी अकल है ! क्या यह बताना ज़रूरी था कि यह कुर्ता तुम्हारा है ?

तुम्हारा पड़ोसी सोच रहा होगा कि मेरे पास अपने कपड़े हैं ही नही।''

भोलू ने माफ़ी माँगते हुए कहा, ''गलती हो गई। अब ऐसा नहीं कहूँगा।''

प्रश्न –1 गोलू अपने मामूली से कपड़ों में घूमने क्यों नही जाना चाहते होंगे ?

प्रश्न –2 भोलू अपना कुर्ता के बारे में क्यों बताता था।?

प्रश्न –3 तुम बनठन कर कहाँ–कहाँ जाते हो?

प्रश्न –4 कुर्ता पहने गोलू साहब का चित्र बनाओ।

कक्षा पॉचवी – हिन्दी भाषा मौखिक

मोहल्ला शिक्षा गतिविधि केन्द्र का नाम ----------

संचालक ----------

प्राथमिक शाला का नाम ----------
तारीख----------

इस कहानी को बच्चों से कहो कि वह आपको पढकर सुनाए -

एक बार भोलू अपने बहुत पुराने दोस्त गोलू से मिले। अपने पुराने दोस्त से मिलकर वे बड़े खुश हुए। कुछ देर गपशप करने के बाद उन्होंने कहा, ''चलो दोस्त, मोहल्ले में घूम आएँ।''

गोलू ने जाने से मना कर दिया और कहा, ''अपनी इस मामूली सी पोशाक में मैं लोगों से नहीं मिल सकता।''

भोलू तुरंत उनके लिए अपना एक भड़कीला कुर्ता निकाल कर लाया और कहा, ''इसे पहन लो। इसमें तुम खूब अच्छे लगोगे। सब देखते रह जाएँगे।''

बनठन कर दोनों घूमने निकले। दोस्त को लेकर भोलू पड़ोसी के घर गए। भोलू ने पड़ोसी से कहा, ''ये हैं मेरे खास दोस्त, गोलू साहब। आज कई सालों बाद इनसे मुलाकात हुई है। वैसे जो कुर्ता इन्होंने पहन रखा है, वह मेरा है।''

पढ़ने के बाद – कहानी के बारे में पूछे कैसी लगी– कहानी में क्या हुआ ?

क्रमांक	बच्चें का नाम / पिता का नाम	पढ़ने का तरीका लिखे – धारा प्रवाह में बिना गलती के/ हिज्ज/अटक कर पढ़ा